बीईसीई-146

बीए सामान्य (सीबीसीएस)
(बीएजी)

सत्रीय कार्य
(2024-25)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.ई.–146
पाठ्यक्रम का शीर्षक : भारतीय अर्थव्यवस्था-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीईसीसी-146 : भारतीय अर्थव्यवस्था -II

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः (i) सत्रीय कार्यं द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। अतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30% अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70% अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 सत्रीय कार्य करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.-146: भारतीय अर्थव्यवस्था II** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलत है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और मूल्यांकन में भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आप व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1. **31 मार्च 2025 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो जून 2025 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।**
2. **30 सितंबर 2025 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो दिसम्बर 2025 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं ।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।
सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

(क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
(ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और
(ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

भारतीय अर्थव्यवस्था -II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः बीईसीई -146
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2024-25
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य-1

निम्नलिखित वर्णात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होता है। 2x 20=40

1. RBI मौद्रिक नीति के 'मात्रात्मक उपायों' को लागू करने का सहारा कब लेता है? ये उपाय क्या हैं? वे गुणात्मक उपायों से कैसे भिन्न हैं?

2. वस्तु बाजार और कारक बाजार में अंतर स्पष्ट कीजिए। भारत में किसानों को बाजार की बाधाओं का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य 2

मध्यम श्रेणी के निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 3 x 10=30

3. क्षेत्रवाद से क्या तात्पर्य है? इस संदर्भ में द्विपक्षवाद एवं बहुपक्षवाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्निलिखित में अंतर करेः
   अ) एफडीआई (FDI)और एफआईआई (FII)
   आ) चालू खाता और पूंजी खाता

5. सेवा क्षेत्र के विभिन्न घटकों की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य 3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। 5x6 =30

6. उच्च शक्ति धन (High Powered Money)का क्या अर्थ है?

7. भारत में लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के पीछे क्या औचित्य है? संक्षेप में समझाइए।

8. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग पर टिप्पणी लिखिए।

9. कृषि में अनुबंध खेती से आप क्या समझते हैं?

10. चालू खाता परिवर्तनीयता और पूंजी खाता परिवर्तनीयता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।